



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

14

सं. 338]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 12, 1994/श्रावण 21, 1916

No. 338]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 12, 1994/SRAVANA 21, 1916

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1994

सं 1/94-विदेश यात्रा कर

सा.का.नि. 632(अ)--केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 40 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विदेश यात्रा कर नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:--

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विदेश यात्रा कर (संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये 1 सितम्बर, 1994 को प्रवृत्त होंगे।

7. विदेश यात्रा कर नियम, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 4 में परन्तुक का लोप किया जायेगा।

3. उक्त नियमों के नियम 7 में,--

(i) उपनियम (1) में, "त्रिनिदिष्ट रकम" शब्दों के स्थान पर, "सूचना में त्रिनिदिष्ट कर की रकम और उस पर संदेय व्याज, यदि कोई हो," शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपनियम (2) में, "इस प्रकार अवधारित रकम" शब्दों के स्थान पर, "इस प्रकार अवधारित कर की रकम और उस पर संदेय व्याज, यदि कोई हो," शब्द रखे जाएंगे।

4. उक्त नियमों के नियम 9 में परन्तुक का लोप किया जायेगा।

5. उक्त नियमों के नियम 10 में, "या अन्य दस्तावेज तैयार किया गया था, 2 वर्ष की अवधि तक परिरक्षित रखे जाएंगे" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात्:--

"और ऐसे बालान, वाउचर, बिबरणी या अन्य दस्तावेज सीमा-शुल्क अधिकारी के समक्ष, जब कभी ऐसा किया जाना अपेक्षित हो, पेश किये जाएंगे।"

6. उक्त नियमों के नियम 10 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:--

"10क. नियमों के उपबन्धों का अनुपालन करने में असफलता पर

शास्ति:-- (1) कोई बाहक जो संग्रहीत कर की रकम, प्रतिवाय की रकम और खजाने में मंदस्त रकम को दशित करते हुए, नियम 9 के अधीन त्रिनिदिष्ट गति में बिबरणी फाइल करने में असफल रहता है शास्ति का दायी होगा जो दो हजार रुपये से कम नहीं होगी किन्तु जो बीस हजार रुपये तक हो सकेगी और वह उस तारीख के पश्चात् जब बिबरणी उक्त नियम के उपबन्धों के अनुसार फाइल की जानी शोध्य थी, प्रत्येक दिन के लिये पांच सौ रुपये से अनधिक प्रतिरिक्त शास्ति का दायी होगा।

(2) कोई वाहक जो नियम 8 के अधीन अपेक्षित रीति में यात्रा माल सूची की प्रति फाइल करने में असफल रहता है, शास्ति का वादी होगा जो दो हजार रुपये से कम नहीं होगी किन्तु जो बीस हजार रुपये तक हो सकेगी और वह उस तारीख के पश्चात् जब उक्त नियम के उपबंधों के अनुसार माल सूची फाइल की जानी शोध्य थी, प्रत्येक दिन के लिये पांच सौ रुपये से अधिक अतिरिक्त शास्ति का वादी होगा।

7. उक्त नियमों के नियम 13 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“13क. अपील के लम्बित रहते हुए, मांग किये गये कर और व्याज या उद्ग्रहीत शास्ति का निक्षेप—जहां नियम 13 के अधीन कोई अपील किसी कर और व्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या अधिनियम या इन नियमों के अधीन उद्ग्रहीत किसी शास्ति से संबंधित है वहां ऐसे विनिश्चय या-आदेश के बिना अपील करने की वांछा रखने वाला व्यक्ति सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के पास मांग किये गये कर तथा व्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या उद्ग्रहीत शास्ति को, अपील के लम्बित रहते के दौरान निक्षिप्त कर सकेगा :

परन्तु जहां किसी मामले में अपील प्राधिकारी की यह राय है कि मांग किये गये कर और व्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या उद्ग्रहीत शास्ति का निक्षेप ऐसे व्यक्ति को असम्भव कठिनाई में डालेगा वहां अपील प्राधिकारी ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह राजस्व के हितों को संरक्षित रखने के लिये अधिरोपित करना उचित समझे, ऐसे निक्षेप से छूट दे सकेगा।”

8. उक्त नियमों के नियम 16 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

“16 सरकार को देय राशि की बसूली—

(1) जहां किसी वाहक द्वारा कोई कर, व्याज या शास्ति संदत्त नहीं की गई है वहां सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर, नियमों के अधीन कर, व्याज या शास्ति के अवधारित हो जाने के पश्चात्, ऐसे कर, व्याज या शास्ति की रकम की बसूली उपनियम (2) या उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट एक या अधिक ढंग द्वारा करने के लिये अप्रसर हो सकेगा।

(2) सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर किसी व्यक्ति से, जिससे वाहक को कोई रकम देय है, उक्त रकम में से इस प्रकार अवधारित कर, व्याज या शास्ति की कटौती करने की अपेक्षा कर सकेगा और ऐसा व्यक्ति सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर की अध्यक्षता का पालन करेगा और इस प्रकार कटौती की गई रकम का संवाय केन्द्रीय सरकार के खाते में करेगा :

परन्तु इस उपनियम में की कोई बात सिविल त्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की धारा 60 के अधीन सिविल न्यायालय की शक्ति के निष्पादन में कुर्की से छूट प्राप्त रकम के किसी भाग को लागू नहीं होगी।

(3) सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर शोध्य रकम विनिर्दिष्ट करने हुए अपने द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाणपत्र तैयार कर सकेगा और उसे उस जिले के कलक्टर को भेजेगा जिसमें वाहक के स्वामित्वाधीन कोई संपत्ति है या वह वहां निवास या कारबार चलाता है और उक्त कलक्टर, ऐसे प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर, उक्त वाहक या अन्य व्यक्ति से तदधीन

विनिर्दिष्ट रकम वसूल करने के लिये इस प्रकार अप्रसर होगा, मानो कि वह भू-राजस्व की बकाया हो।”

[फा.सं. 311/4/92-एफ टी टी]

ए.एम. बेदी, सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 12th August, 1994

No. 1/94-Foreign Travel Tax

G.S.R. 632(E).—In exercise of the powers conferred by section 40 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Foreign Travel Tax Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Foreign Travel Tax (Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the 1st day of September, 1994.

2. In rule 4 of the Foreign Travel Tax Rules, 1979 (hereinafter referred to as the said rules), the proviso shall be omitted.

3. In rule 7 of the said rules,—

(i) in sub-rule (1) for the words “amount specified in the notice”, the words “amount of tax specified in the notice and the interest if any, payable thereon” shall be substituted;

(ii) in sub-rule (2), for the words, “the amount so determined”, the words “the amount of tax so determined and the interest, if any, payable thereon” shall be substituted.

4. In rule 9 of the said rules the proviso shall be omitted.

5. In rule 10 of the said rules, after the words “or other document was prepared”, the following words shall be inserted, namely :—

“and such challans, vouchers return or other document shall be produced before an Officer of Customs as and when required to do so”.

6. After rule 10 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“10A. Penalty for failure to comply with the provisions of the rules,—

(1) Any carrier who fails to file a return showing the amount of tax collected, amount refunded and the amount paid in the treasury in the manner as speci-

fied under rule 9 shall be liable to a penalty which shall not be less than rupees two thousand but which may extend to rupees twenty thousand and to a further penalty not exceeding rupees five hundred for each day after the date when the return was due to be filed in accordance with the provisions of the said rule.

- (2) Any carrier who fails to file a copy of the passengers' manifest in the manner required under rule 8 shall be liable to a penalty which shall not be less than rupees two thousand but which may extend to rupees twenty thousand and to a further penalty not exceeding rupees five hundred for each day after the date when manifest was due to be filed in accordance with the provisions of the said rule."

7. After rule 13 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

- 13A. Deposit, pending appeal, of tax and interest demanded or penalty levied.—Where any appeal under rule 13 relates to any tax and the interest, if any, payable thereon, or any penalty levied under the Act or these rules the person desirous of appealing against such decision or order shall, pending the appeal, deposit with the Assistant Collector of Customs, the tax demanded and the interest if any payable thereon, or the penalty levied :

Provided that where in any case the appellate authority is of the opinion that the deposit of tax demanded and the interest, if any, payable thereon, or the penalty levied would cause an undue hardship to such person, the appellate authority may dispense with such deposit subject to such conditions as it may deem fit to impose so as to safeguard the interests of revenue."

8. For rule 16 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"16. Recovery of sums due to Government,—

- (1) Where any tax, interest or penalty is not paid by a carrier, the Assistant Collector of Customs may, after the tax, interest or penalty has been determined under the rules, proceed to recover the amount of such tax, interest or penalty by one or more of the modes specified in sub-rule (2) or sub-rule (3).
- (2) The Assistant Collector of Customs may require any person, from whom any amount is due to the carrier, to deduct the tax, interest or penalty so determined from the said amount and such person shall comply with the requisition by the Assistant Collector of Customs and shall pay the amount so deducted to the credit of the Central Government :

Provided that nothing in this sub-rule shall apply to any part of the amount exempt from attachment in execution of a decree of a civil court under section 60 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908).

- (3) The Assistant Collector of Customs may prepare a certificate signed by him specifying the amount due and send it to the Collector of the district in which the carrier owns property or resides or carries on business and the said Collector, on receipt of such certificate, shall proceed to recover from the said carrier or other person, the amount specified thereunder as if it were an arrear of land revenue."

[F. No. 311/4/92-FTT]

A. S. BEDI, Under Secy.

